

CONTENTS

पुरोवाक्
Preface

(ix)

(xii)

HISTORY, PURĀṆA AND EPIGRAPHY

इतिहास, पुराण एवं अभिलेख

- | | | |
|---|-----------------------------------|-------|
| 1. Purāṇas : Approach and Relevance | <i>S.G. Kantawala</i> | 3-13 |
| 2. Astronomy in the Purāṇas : An overview | <i>Maitreyee Bora</i> | 14-19 |
| 3. Problems in Teaching of the Mahābhārata | <i>Anirudh Joshi</i> | 20-26 |
| 4. A Note on the Nāgārjunī Hill Cave Inscriptions of Daśaratha | <i>S.S. Rana</i> | 27-28 |
| 5. Epigraphy as a Source for Reconstruction of History of Ancient India | <i>T.R. Sharma</i> | 29-33 |
| 6. Varnāśrama-vyavasthā in the Age of Harṣa | <i>Pravin Pralayankar</i> | 34-40 |
| 7. श्रीमद्भागवतपुराणे भक्तितत्त्वम् | शशि तिवारी | 41-46 |
| 8. वैदिक सन्दर्भ में 'इतिहास' और 'पुराण' -स्वरूप तथा प्रयोजन-विमर्श | विन्ध्येश्वरीप्रसाद मिश्र, 'विनय' | 47-52 |
| 9. संस्कृत अभिलेखों के आधार पर बनारस में धर्म | शिल्पी सेठ | 53-62 |

GRAMMAR

व्याकरण

- | | | |
|--|--------------------|-------|
| 10. पाणिनीय परम्परा में 'इयत्' और 'अधुना' | रामकरण शर्मा | 63-64 |
| 11. संस्कृते व्याकरण-वैभवम् | जयमन्त मिश्र | 65-71 |
| 12. 'कारके' इति सूत्रार्थविमर्शः | बिन्दाप्रसाद मिश्र | 72-78 |
| 13. 'भर्तृहरेः वाक्यपदीये वाक्यस्वरूपम्' | सतीशचन्द्र झा | 79-82 |
| 14. पाणिनि इतर सम्प्रदायों में वाक्यचिन्तन | डॉ० अंजू सेठ | 83-97 |

LITERATURE AND POETICS

साहित्य एवं काव्यशास्त्र

- | | | |
|---|------------------------|---------|
| 15. Sanskrit Epics and their Relations to South East Asia | <i>Rajendra Mishra</i> | 101-109 |
| 16. The Idea of literary history in Sanskrit | <i>C. Rajendran</i> | 110-113 |
| 17. The Concept of Karaṇas | <i>N. P. Unni</i> | 114-122 |

| | | |
|---|-----------------------------|---------|
| 18. Abhidhā in Bhoja | <i>Tapasvi Nandi</i> | 123-130 |
| 19. Rasa-Theory in Sanskrit Poetics | <i>M. D. Paradkar</i> | 131-136 |
| 20. The Concept of Indian Aesthetics | <i>Brijesh Kumar Shukla</i> | 137-141 |
| 21. A Note on Smarana | <i>Dipak Kumar Sharma</i> | 142-148 |
| 22. Sudāmācaritam of Puṇḍarikākṣa Miśra | <i>Rabindra Kumar Panda</i> | 149-158 |
| 23. नाट्यलक्षणं पुनराख्येयम् | बह्वचारी सुरेन्द्र कुमार | 159-165 |
| 24. उत्कलीयआलङ्कारिकः विश्वनाथकविराजः | प्रो० हरेकृष्ण शतपथी | 166-171 |
| 25. काव्यप्रकाश के टीकाकार श्रीधर द्वारा प्रयुक्त 'न्याय' (क्रम- 'अ' से 'उ') | गिरीश चन्द्र पन्त | 172-176 |
| 26. काव्य की आत्मा | श्रद्धा शुक्ला | 177-185 |
| 27. औचित्य-सिद्धान्त | अजय कुमार झा | 186-199 |
| 28. 'शिशुपालवध' में रैवतक वर्णन एवं कवि का पर्यावरण प्रेम | हेमलता बोलिया | 200-203 |
| 29. संस्कृत गजल के अनूठे तराने : मधुपर्णी | अजय कुमार मिश्र | 204-209 |
| 30. मुनि नत्थमल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व | हेमन्त कुमार डूंगरवाल | 210-213 |

| |
|-------------------|
| PHILOSOPHY |
|-------------------|

| |
|-------|
| दर्शन |
|-------|

| | | |
|--|------------------------------|---------|
| 31. Sri Aurobindo's Idea of Divine Life in the Perspective of the Vedic View of Immortality | <i>S.P. Singh</i> | 216-221 |
| 32. Nāgārjuna's Critique of Saṃśaya as a Category | <i>Raghunath Ghosh</i> | 222-226 |
| 33. Means of right cognition in the early Sāṅkhya system : A review | <i>P. K. Sasidharan Nair</i> | 227-230 |
| 34. A Synthetic Account of Different Interpretations on Brahmasūtras | <i>Madan Mohan Agrawal</i> | 231-240 |
| 35. The Doctrine of Ātmā and Karma : Its relevance in modern times | <i>Siddheswar Jena</i> | 241-244 |
| 36. Anekāntavāda : Origin and Development | <i>Sushma Singhvi</i> | 245-253 |
| 37. An introduction to Āgama, Spanda and Pratyabhijñā | <i>Koshalya Walli</i> | 254-258 |
| 38. Sects of Śaivism in Śrīśailam | <i>R. N. Aralikatti</i> | 259-266 |
| 39. Advaita Vedānta and Psychotherapy {Māyā vs Neurosis} (With special reference to Vidyāraṇya) | <i>Shakuntala Punjani</i> | 267-272 |
| 40. आगमाः | रामप्रकाशदासः | 273-282 |
| 41. संन्यास और आदि शंकराचार्य का विशिष्ट अवदान | गौतम पटेल | 283-291 |
| 42. कार्य-कारणवाद के सम्बन्ध में न्याय तथा वाल्लभ वेदान्त : एक समीक्षा | धीरज प्रकाश जोशी | 292-297 |

| | | |
|---|--------------------|---------|
| 43. अनेकान्त का सिद्धान्त: एक विवेचन | एस०पी० दुबे | 298-302 |
| 44. शून्यवाद एवं विज्ञानवाद से प्रभावित अद्वैतवाद | बाबूलाल शर्मा | 303-311 |
| 45. श्रीमद्भगवद्गीता में नैतिक कर्तव्य एवं भावनात्मक संघर्ष | रामनाथ झा | 312-319 |
| 46. देवसंस्कृति को विलक्षण आयाम देती है—तन्त्र साधना | सुखनन्दन सिंह | 320-322 |
| 47. तन्त्र शास्त्र उपयोगी भी, विज्ञानसम्मत भी | हेमाद्रि साव | 323-326 |
| 48. तन्त्र विज्ञान का विस्तार | अरुण कुमार जायसवाल | 327-334 |

| |
|---|
| VEDA AND UPANIṢAD वेद एवं उपनिषद् |
|---|

| | | |
|--|-----------------------------|---------|
| 49. The Concept of Divinity in the R̥gvda and the Subsequent Literature | <i>Gaya Charan Tripathi</i> | 335-341 |
| 50. Monotheistic View of God in Vedic Literature | <i>Usha Choudhuri</i> | 342-350 |
| 51. Being and Nothing in the Veda and in Hegel | <i>Juan Miguel de Mora</i> | 351-357 |
| 52. Interaction between Tantra and Veda (with special reference to Sāmavedic Brāhmaṇas) | <i>Om Prakash Pandey</i> | 358-363 |
| 53. History and Legal Principles of Uśanas | <i>Satya Pal Narang</i> | 364-380 |
| 54. Contribution of Sanskrit to World Thought and Culture | <i>S. R. Bhatt</i> | 381-389 |
| 55. माध्यन्दिनसंहितायां पर्यावरणचेतना | मानसिंहः | 390-398 |
| 56. मानवाधिकारेषूपनिषदः | रहसविहारी द्विवेदी | 399-406 |
| 57. योऽर्थज्ञ इत् सकलं भद्रमश्नुते | देवेन्द्र मिश्र | 407-410 |
| 58. ऋग्वेद में प्रतिबिम्बित दास-दस्यु संस्कृति और सिन्धु घाटी की सभ्यता | बलदेव राज शर्मा | 411-419 |
| 59. राष्ट्रीय एकता : वेदों के सन्दर्भ में | मुहम्मद इसराइल खाँ | 420-424 |
| 60. प्रजापति और तात्त्विकवेद | लक्ष्मीश्वर झा | 425-435 |
| 61. वैदिक व्रत और उनका महत्त्व | प्रवेश सक्सेना | 436-444 |
| 62. वेदों में प्राकृतिक चिकित्सा | रघुवीर वेदालंकार | 445-448 |

| |
|--|
| SANSKRIT AND SCIENCE संस्कृत एवं विज्ञान |
|--|

| | | |
|---|--------------------------------|---------|
| 63. Kerala's Contribution to the Frontiers of Scientific Knowledge | <i>T. Devarajan</i> | 451-458 |
| 54. Reflection of Science and Technology in Sanskrit Literature | <i>M. Srimannarayana Murti</i> | 459-472 |

(viii)

| | | |
|---|----------------------|---------|
| 65. Sanskrit as a Computer Language | <i>Sharda Sharma</i> | 473-476 |
| 66. The Case of a Benevolent Murderer (Samsāramocaka) | <i>G.U. Thite</i> | 477-479 |
| 67. प्राचीन भारतीय विरासत की विश्वमान्यता | राम प्रकाश दास | 480-484 |

INDIAN CULTURE

भारतीय संस्कृति

| | | |
|---|-------------------------------|---------|
| 68. Manu on Women | <i>K. V. Venkateshvararao</i> | 487-492 |
| 69. Sanātana-dharma—An Evaluation | <i>N. Gangadharan</i> | 493-498 |
| 70. A Note on the Iconography of Mahālakṣmī | <i>U.N. Dhal</i> | 499-500 |
| 71. Internalising the External | <i>V.N. Jha</i> | 501-502 |
| 72. मानवाधिकार और मनुस्मृति | शक्ति कुमार शर्मा 'शकुल' | 503-509 |

DR. PUSHPENDRA KUMAR

डॉ० पुष्पेन्द्र कुमार

| | | |
|---|--------------------|---------|
| 73. जयति कुमारः स पुष्पेन्द्रः | रामकरणशर्मा | 510-510 |
| 74. राष्ट्रपतिपुरस्कार-सभाजितस्य पं० पुष्पेन्द्र कुमार शर्मणः वंश-परम्परा | रा०प्र० दास | 511-515 |
| 75. A Profile in Eminence | <i>Harsh Kumar</i> | 516-526 |
| 76. God's Goodman : Professor Pushpendra Kumar | <i>S.S. Rana</i> | 527-529 |
| 77. बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी प्रो० कुमार | प्रो० बी०आर० शर्मा | 530-531 |
| 78. मेरे मित्र प्रो० पुष्पेन्द्र कुमार | डॉ० तुलसीराम शर्मा | 532-533 |
| 79. मेरे पिता प्रो० पुष्पेन्द्र कुमार | डॉ० श्रद्धा शुक्ला | 534-535 |
| 80. तस्मै श्री गुरवे नमः | डॉ० अंजू सेठ | 536-537 |
| 81. List of Contributors | | 538-541 |